

06/9/19

अभि. अखिलान्त/रेसों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर नि.  
दिनांक 04/10/19 को पेश हो।

04/10/19

अभि. अखिलान्त/रेसों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर नि.  
दिनांक 08/11/19 को पेश हो।

08/11/19

अभि. अखिलान्त/रेसों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर नि.  
दिनांक 06/12/19 को पेश हो।

06/12/19

पत्रावली प्रस्तुत हुई। अधि. उत्तरपत्र दायर।  
अधिवक्ता उत्तरपत्र की बहस सुनी गयी।  
पत्रावली वारंते आदेश दिनांक 09/12/2019 को  
पेश हो।

09/12/19

ज्ञात यह पत्रावली वारंते आदेश प्रस्तुत हुई।  
उत्तरपत्रों की बहस पर मनन किया एवं  
पत्रावली का अवलोकन किया। अपीलार्थी  
की मुख्य आपाते रही हैं कि सुश्री अधिवक्ता  
न्यायालय द्वारा अपीलार्थी/अधिवक्ता को कोर्ट  
पर्यन्त प्रेषित किया परन्तु प्रत्येक प्रारंभिक प्रारंभिक  
दस्तावेज एवं कोर्ट अधिसूचना प्रदान किये बिना  
ही अपीलार्थी को आदेश के माध्यम से आदेश  
7 निष्पत्ति प्राप्त होगी की कार्यवाही प्रस्तावित  
कर दी, जो गलत है। इसके अलावा अधिवक्ता  
केसों में अधिवक्ता न्यायालय की  
कार्यवाही को विधि सम्मत बताने के लिए अपील  
करावित्त किये जाने की इच्छा है।

हमने उत्तरपत्रों की बहस के  
परिप्रेक्ष्य में अधिवक्ता न्यायालय की पत्रावली  
का अवलोकन किया। अधिवक्ता न्यायालय

राजस्व अपील अधिकारी




# राजस्व अपील प्राधिकारी, जयपुर

तारीख हुकम	राम कुमार सन्तोष हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व अहकाम हुकम की
------------	---	-----------------------------

511  
2017

के अपीलवाचीन आदेश के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि सुप्रीम कोर्ट न्यायालय द्वारा अपनी आदेशिका दिनांक 21/6/17 में किसी भी प्रकार की उपाधिति अथवा उच्च की बहस सुने जाने का कोई कठोर निर्देश ही अपने क्लर पर आदेश 7 निपम 11 के तहत प्रकरण में कार्यवाही किया जाना प्रस्तावित किया गया है, जिससे स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट न्यायालय द्वारा प्रकरण के प्रश्नकारों को सुनवाई का अवसर देने के लिए अपीलवाचीन आदेश दिनांक 21/6/2017 पारित किया गया है, जो न्यायसंगत प्रतीत नहीं होने से खारिज किया जाता है। एवम् प्रकरण को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि वे प्रश्नकारों को अपना एवम् सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान कर पुनः विधिसम्मत आदेश पारित करें। तदनुसार अपील आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है। उपप्रश्नकारों को अपीलवाचीन न्यायालय के समक्ष दिनांक 06/11/2020 को उपस्थित होने।

पत्रावली फैसल सुमार होकर वाद तबमील जारी है। आदेश सुप्रीम न्यायालय में सुनाया गया।

  
 राजस्व अपील प्राधिकारी  
 जयपुर



01  
 25  
 12  
 051  
 291  
 315